तापमान

अधिकतम 40 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, बुधवार 22 अप्रैल 2026

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

4 वनांचल क्षेत्रों में ग्रामीणों की आमदनी का जरिया बना महुआ

खबर संक्षेप

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर की सख्ती

मनेन्द्रगढ़। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार द्वारा लागू प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के संशोधित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

ज्ञान शिखरः कौन बनेगा विजेता समर प्रतियोगिता

मनेन्द्रगढ़। ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से जिले में ज्ञान शिखरः कौन बनेगा विजेता शैक्षिक एवं कौशल आधारित समर प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार यह प्रतियोगिता विकासखंड एवं जिला स्तर पर आयोजित होगी। इसमें शासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं को भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता का प्रथम चरण 27 अप्रैल को विकासखंड स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय से अधिकतम 2 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक विकासखंड से चयनित शीर्ष 8 प्रतिभागी जिला स्तर पर पहुंचेंगे। जिला स्तरीय ग्रैंड फिनाले 6 मई को प्रातः 8 बजे शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में आयोजित होगा।

किसान को मिला धान बिक्री का बकाया भुगतान

बैकुण्ठपुर। जिला कोरिया में एक किसान की धान बिक्री राशि को लेकर की गई शिकायत का त्वरित निराकरण करते हुए प्रशासन ने उसी दिन राहत पहुंचाई। मंगलवार को कलेक्टरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी को ग्राम सलगवांकला निवासी किसान विवेक कुमार एवं उनकी पत्नी द्वारा आवेदन देकर बताया गया था कि वर्ष 2025-26 में बेचे गए धान की राशि में से 31,000 रूपए सहकारी समिति द्वारा कथित रूप से काट लिए गए हैं। आवेदन में किसान ने बताया कि उसने लगभग 28.80 क्विंटल धान विक्रय किया था, जिसका आंशिक भुगतान ही मिला और शेष राशि पुराने ऋण के नाम पर काट ली गई। किसान ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके ऊपर कोई बकाया ऋण नहीं है, फिर भी उसे तीन महीनों से सहकारी बैंक और समिति के चक्कर लगाने पड़ रहे थे।
महत्वपूर्ण बात यह रही कि 20 अप्रैल को जनदर्शन में कलेक्टर ने तत्काल आवेदन को संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए, संबंधित विभाग के अधिकारी उसी दिन शिकायत का निराकरण कर दिया गया और पूरी राशि किसान को प्राप्त हो गई।

डीएवी में महात्मा हंसराज की मनी जयंती

वेस्ट चिरमिरी। 18 अप्रैल को डीएवी पब्लिक स्कूल बरतुंगा चिरमिरी के सभागार में महात्मा हंसराज जी की 162 वीं जयंती समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य एसके पांडे के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्कृत शिक्षक सुनील कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा तीसरी से दसवीं तक के सभी बच्चों एवं विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शालेय सदस्यों ने भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री पांडे ने महात्मा हंसराज जी के जीवन पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ शिक्षक नारायण अग्रवाल ने भी हंसराज जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

जल जीवन मिशन योजना का नहीं मिल रहा लाभ, प्रशासन से पहल की मांग

पण्डो परिवार पेयजल के लिए परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल पहुंचाने की योजना है, लेकिन योजना का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से नहीं होने के कारण आज जिले में जल जीवन मिशन योजना का हाल बेहाल है। कोरिया जिले के लगभग पंचायत क्षेत्रों में आधे-अधूरे कार्य किए गए हैं, इसके चलते लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

- हैण्डपंपों के हलक सूखे

जिले के दूर-दराज के ग्राम पंचायतों को छोड़ दिया जाए तो जिला मुख्यालय के निकट के पंचायतों में भी स्थिति खराब है। जल जीवन मिशन योजना का हाल उस गांव में भी ठीक नहीं है, जहां सरकार के विशेष संरक्षित जनजाति जिन्हें राष्टपति का दत्तक पुत्र भी कहा जाता है,उनके बहुलता वाले क्षेत्र में भी जल जीवन मिशन योजना दम तोड़ रही है। ऐसी हालत में विशेष संरक्षित जनजाति अपने हाल पर प्रतिदिन पेयजल के लिए संघर्ष कर रही है। आनंदपुर वन ग्राम में विकास की तस्वीरे कागजों पर तो चमक रही है, लेकिन धरातल पर यहां की पण्डो जनजाति बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के जल जीवन मिशन के तहत खर्च किए गए लाखों रूपए यहां केवल सरकारी पाईपो और सूखी टंकियों तक ही सिमट कर रह गए हैं। जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के सोनहत जनपद पंचायत अंतर्गत वन ग्राम आनंदपुर जो कोरिया

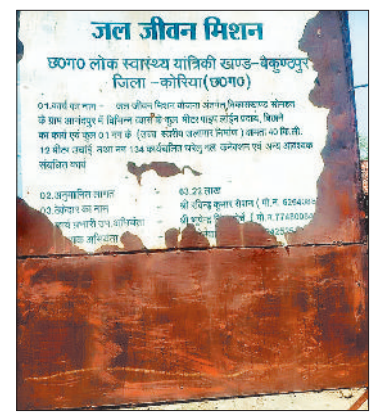

जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से महज 12 से 14 किमी की दूरी पर स्थित है। वन ग्राम आनंदपुर जो सरकार के विशेष संरक्षित जनजाति पण्डो बाहुल्य ग्राम है, यहां इन परिवारों के लिए शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण घर से लंबी दूरी पर स्थित ढोढ़ी से प्रतिदिन पेयजल प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ⏭शेष पेज 4 पर

नल पोस्ट बढ़ा रहे घर की शोभा

वन ग्राम आनंदपुर के लगभग सभी घरों के आंगन एवं आस-पास में जल जीवन मिशन के नल के पोस्ट लगे हुए हैं, लेकिन आधे-अधूरे कार्य के कारण एक बूंद पानी अब तक नहीं आया। महीनों से लोगों के घरों के सामने लगे नल के पोस्ट घर की शोभा बढ़ा रहे हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि लोगों के घर तक पानी पहुंच रहा होगा, लेकिन जमीनी सच्चाई इसके विपरीत है।

लाखों खर्चे फिर भी टंकी सूखी

वन ग्राम आनंदपुर में जल जीवन मिशन के तहत लाखों रूपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण गांव के विद्यालय के निकट बनाया गया है, कई महीने बीत जाने के बाद भी बनाई लाखों रूपए खर्च कर बनाई पानी टंकी खुद प्यासी है। निर्मित पानी टंकी के पास लगे सूचना बोर्ड में अंकित जानकारी भी अब मिटने लगा है, बावजूद इसके अब तक पानी टंकी से पेयजल की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई।

हैडपंप बिगड़ा, एक में पानी कम

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन ग्राम आनंदपुर में स्कूलपारा के निकट सड़क किनारे एक हैंडपंप काफी समय से बिगड़ा पड़ा है, जिसका सुधार अब तक नहीं हो पाया है, इसके चलते भी लोगों को ढोढ़ी का पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं दूसरे क्षेत्र में खेत में हैंडपंप चालू हालत में हैं, लेकिन ग्रामीण बताते हैं कि वह ज्यादा देर पानी नहीं मिलता, इसके चलते कई परिवार दूर खेत में स्थित ढोढ़ी से पेयजल प्राप्त करना पड़ता है।

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 को

परीक्षार्थियों को 9:30 बजे के बाद नहीं मिलेगा प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

छग राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन रविवार 26 अप्रैल को किया जाएगा। इस परीक्षाकल के लिए जिले में 19 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें 4 हजार 855 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा का समय सुबह 10 से 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है।

- जिले में 19 परीक्षा केन्द्रों में

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केन्द्रों के मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिए जाएंगे, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ऐसे में सभी अभ्यर्थियों को समय से पहले केन्द्र पहुंचने की सलाह दी गई है। अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले अपने परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही परीक्षा शुरू होने से कम से कम 2 घंटे पहले केन्द्र पहुंचना अनिवार्य किया गया है, जिससे फ्रिस्किंग और पहचान पत्र सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

नियमों का करना होगा पालन

ड्रेस कोड के तहत अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर आना होगा, जबकि गहरे रंग के कपड़े पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनने की अनुमति होगी और किसी भी प्रकार के आभूषण, विशेषकर कान के वर्जित रहेंगे। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ आदि ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। केवल काला या नीला बॉल पेन ही साथ लाने की अनुमति होगी। अनुचित साधनों के उपयोग पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अभ्यर्थिता समाप्त करने की चेतावनी भी दी गई है। प्रशासन ने परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। सभी केन्द्रों पर आवश्यक संख्या में वीक्षक नियुक्त किए जाएंगे और अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण 24 एवं 25 अप्रैल तक पूर्ण किया जाएगा। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे सभी निर्देशों का पालन करें और समय का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा में शामिल हों, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

भीषण गर्मी में रूलाने लगी बिजली, शहरवासी बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

गर्मी का पारा चढ़ते ही विद्युत व्यवस्था ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शहर में मंगलवार को बिजली की लगातार आंख-मिचौली से आमजन हलाकान हैं। दिन हो या रात, बार-बार बिजली गुल होने से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी के बीच बिजली कटौती ने हालात और बदतर कर दिए हैं।

खासकर दोपहर और शाम के समय लगातार ट्रिपिंग और अनियमित आपूर्ति से घरों में पंखे-कूलर बंद हो जाते हैं, जिससे लोग पसीने से तरबतर हो रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

रात में भी नहीं मिल रही राहत

रात के समय भी बिजली की समस्या कम नहीं हो रही है। कई इलाकों में देर रात तक बिजली गुल रहने से लोगों की नींद हराम हो रही है। लगातार कटौती के कारण इन्वर्टर भी जवाब देने लगे हैं।

व्यापार पर भी पड़ रहा असर

बिजली की अनियमितता का असर स्थानीय व्यापार पर भी साफ नजर आ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बार-बार बिजली जाने से कारोबार प्रभावित हो रहा है और ग्राहकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

जनता में बढ़ता आक्रोश

लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नागरिकों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

पटना नगर पंचायत में पथ विक्रेताओं को मिलेगा स्वनिधि ऋण, 147 हितग्राहियों का लक्ष्य तय

बैकुण्ठपुर। छग राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना पीएम स्वनिधि 2.0 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निकायवार ऋण वितरण लक्ष्य जारी कर दिए गए हैं।

इसी क्रम में नगर पंचायत पटना के लिए भी पथ विक्रेताओं को ऋण उपलब्ध कराने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जारी लक्ष्य के अनुसार नगर पंचायत पटना क्षेत्र में 147 पथ विक्रेताओं को प्रथम चरण में 15 हजार रूपए तक का ऋण प्रदान किया जाएगा। योजना का उद्देश्य छोटे व्यापारियों, ठेला-रेहड़ी संचालकों और स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। नगर पंचायत स्तर पर योजना के अंतर्गत नए आवेदनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इच्छुक पथ विक्रेताओं से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की गई है।

नगर पंचायत की अपील

मुख्य नपा अधिकारी ने सभी छोटे व्यापारियों, ठेला-रेहड़ी संचालकों और पथ विक्रेताओं से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ नगर पंचायत कार्यालय में संपर्क करें या ऑनलाइन पोर्टल से आवेदन करें।

सर्वे की प्रक्रिया तेज

हितग्राहियों की पहचान के लिए नगर पंचायत द्वारा सर्वे अभियान चलाया जाएगा। इसमें क्षेत्र के सभी पथ विक्रेताओं एवं संभावित लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उन्हें योजना से जोड़ा जाएगा। ऋण वितरण प्रक्रिया को तेज करने के लिए बैंक शाखाओं को लक्ष्य आवंटित कर समन्वय बढ़ाया जा रहा है।

पारदर्शी वितरण के लिए समितियों में हो भंडारण, उप संचालक को ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़। छग कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ जिला इकाई एमसीबी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उप संचालक कृषि से मुलाकात कर विभागीय आदान सामग्रियों के भंडारण के संबंध में महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा।

संघ की मांग है कि विभागीय योजनाओं के तहत प्राप्त होने वाले बीज, उर्वरक और कल्चर का भंडारण विकासखंड कार्यालयों के बजाय अनिवार्य रूप से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने उप संचालक का ध्यान संचालनालय कृषि, रायपुर द्वारा वर्ष 2018 में जारी स्पष्ट निर्देशों पत्र

क्रमांक/ई-6/बीज/2017-18/168-169 की ओर आकर्षित किया। संघ ने अवगत कराया कि शासन के स्पष्ट आदेशों के बावजूद कई स्थानों पर भंडारण नियमों के विपरीत अन्य कार्यालयों में किया जा रहा है, जिससे कई व्यावहारिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि आदान सामग्रियों का भंडारण सहकारी समितियों में कराए जाने से वितरण व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनेगी। साथ ही मैदानी स्तर पर कार्यरत कृषि अधिकारियों को ⏭शेष पेज 4 पर

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर की सख्ती

मनेन्द्रगढ़। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार द्वारा लागू प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के संशोधित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

जमगहना तिराहे पर जिग-जैग निर्माण और खरवत चौक पर सिग्नल की मांग, हादसों के बाद उठी आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

बीते दिवस जमगहना तिराहे पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद क्षेत्रवासियों में आक्रोश और चिंता दोनों बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तिराहे पर जिग-जैग (स्पीड कंट्रोलर) का निर्माण कराया जाए, ताकि तीनों दिशाओं से आने वाले वाहन धीमी गति से गुजरें और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

- चौक पर दिनभर वाहनों का बना रहता है दबाव

स्थानीय नागरिक सौरभ सिंह का कहना है कि तिराहे पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। यदि यहां जिग-जैग या स्पीड ब्रेकर बनाए जाते हैं, तो वाहन चालकों को मजबूरन गति कम करनी पड़ेगी और लोग सुरक्षित तरीके से सफर कर सकेंगे। इसी के साथ नागरिकों ने खरवत चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि यह चौक काफी व्यस्त है, जहां दिनभर वाहनों का दबाव बना रहता है। सिग्नल नहीं होने के कारण अक्सर अव्यवस्था और दुर्घटनाओं की स्थिति बनती है।

स्पीड कंट्रोल ही सुरक्षा की कुंजी

जागरुक लोगों ने वाहन चालकों से भी अपील की है कि वे अपनी गति पर नियंत्रण रखें और यातायात नियमों का पालन करें। उनका कहना है कि प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी है कि वे सावधानी बरतें, तभी दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए जमगहना तिराहे पर जिग-जैग निर्माण और खरवत चौक पर सिग्नल व्यवस्था लागू करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

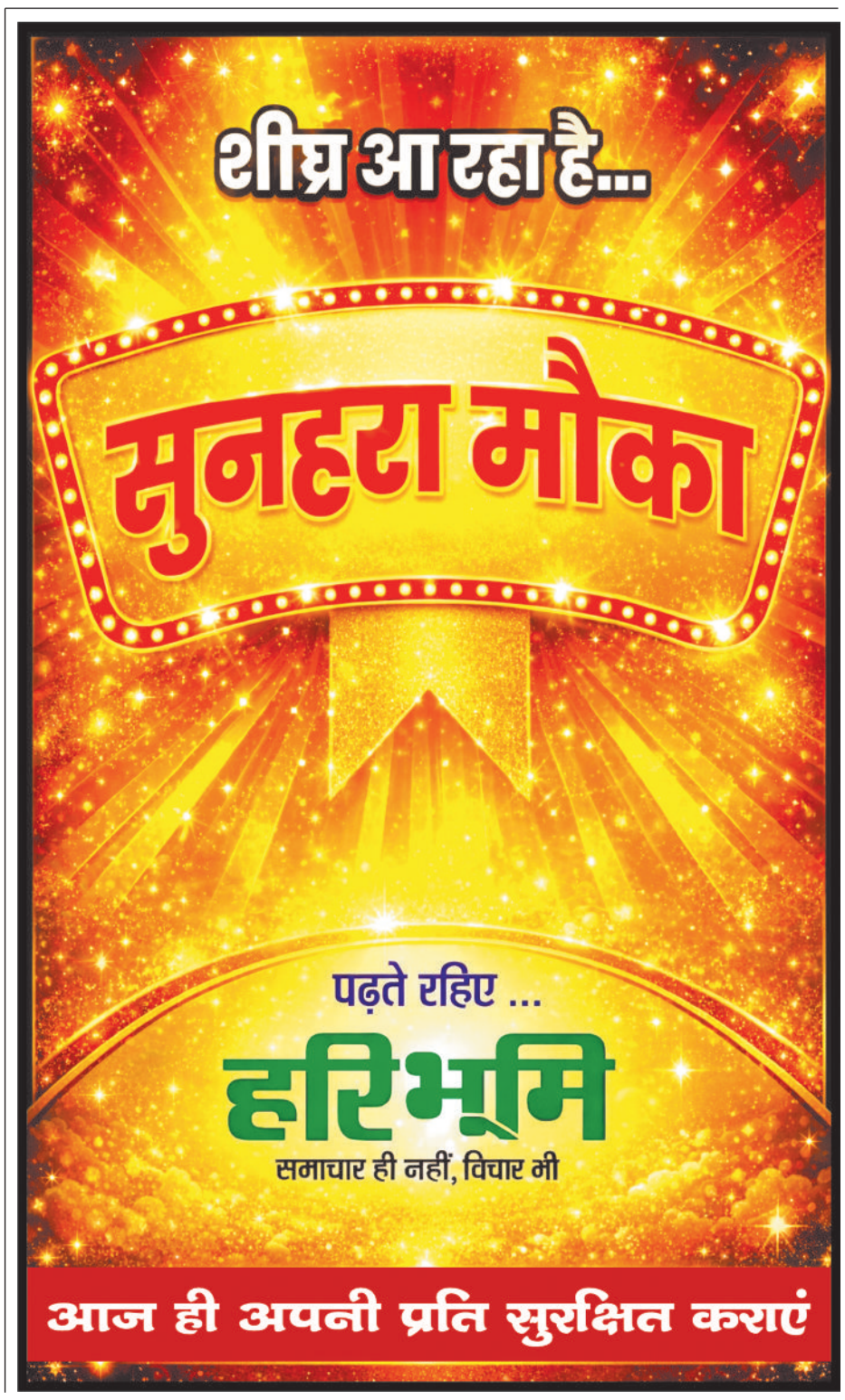

खबर संक्षेप

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बिश्रामपुर। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सोमवार को बिश्रामपुर सहित जिले भर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पूजन, हवन, आरती एवं प्रसाद वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। गायत्री प्रज्ञा पीठ बिश्रामपुर के यज्ञशाला में विधि-विधान से पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ मंडप में आहुति दी। कार्यक्रम के दौरान गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आरती और जयघोष के साथ प्रसाद वितरण कर आयोजन संपन्न हुआ। वहीं सूरजपुर जिला मुख्यालय स्थित परशुराम धाम में भी विशेष पूजन, हवन और आरती का आयोजन किया गया। महिला मंडली द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोज अवस्थी सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। आयोजन से पूर्व मंदिर परिसर को आकर्षक झंडों और झालरों से सजाया गया था, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

महामाया वार्ड में नाली निर्माण का किया गया भूमि पूजन

अम्बिकापुर। शहर के महामाया वार्ड अंतर्गत स्टेट बैंक रोड में नाली निर्माण का भूमि पूजन ननि लोक निर्माण विभाग के एमआईसी सदस्य मनीष सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं वार्ड पार्षद व एमआईसी सदस्य प्रियंका विकास गुप्ता द्वारा किया गया। भूमि पूजन के दौरान एमआईसी सदस्य शशि कांत जायसवाल, भाजपा नगर मंत्री अतीश सिंह राजपूत, अनुसूचित जाति के पूर्व जिला अध्यक्ष नकुल सोनकर, सतीश जैन, आलोक सिंह, गप्पू , विकाश गुप्ता, नीरज वर्मा, छाया, नीतिन गुप्ता, अनुज सिंह, अमित गुप्ता, दीपक सोनी, विवेक सोनी, संतोष अग्रवाल, शिफा मेडिकल, प्रेम दुबे, सम्बंधित ठेकेदार सहित सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। गौरतलब है कि नाली निर्माण नहीं होने स्टेट बैंक के समीप बारिश के दौरान जल भराव की स्थिति निर्मित हो जाती थी। ऐसे में मार्ग से गुजरने वाले राहगीर के अलावा मोहल्ले के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। मोहल्ले वासियों द्वारा नाली निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब नाली निर्माण होने से बारिश के दिनों में लोगों को राहत मिलले की उम्मीद है।

सेवानिवृत्त कर्मियों के सेटलिंग इन अलाउंस में हुआ इजाफा

बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने गैर-कार्यकारी नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों के लिए एक अहम और राहत भरा फैसला लिया है। कंपनी के निदेशक मंडल की हालिया बैठक में सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले सेटलिंग-इन अलाउंस को बढ़ाने पर मुहर लगाई गई है, जिससे हजारों कर्मचारियों को सीधा फायदा मिलने वाला है। ज्ञात हो कि कोलकाता स्थित मुख्यालय में 31 जुलाई 2025 को आयोजित 481 वीं बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाला सेटलिंग-इन अलाउंस अब 12 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपए कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी तुरंत प्रभाव से लागू कर दी गई है। हालांकि इस सुविधा के साथ एक शर्त भी जुड़ी है कि जो कर्मचारी कंपनी के क्वार्टर या लीज आवास में रह रहे हैं, उन्हें यह अलाउंस तभी मिलेगा जब वे आवास खाली करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। यह प्रमाण पत्र अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा। इस निर्णय के बाद कोयला क्षेत्रों में कार्यरत कोल कर्मचारियों और सेवानिवृत्ति की ओर बढ़ रहे कर्मियों के बीच खुशी देखी जा रही है। नई व्यवस्था से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुरुआती खर्चों, स्थानांतरण, घर बसाने आदि में मदद, आर्थिक सुरक्षा की भावना को मजबूती, कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि होगी।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक से मारपीट, अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही युवकों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।जानकारी के अनुसार लुंड्रा थाना अंतर्गत ग्राम उपरपोड निवासी हरि आ. स्व. धनसाय (32 वर्ष) शनिवार को घर के सामने खड़ा था तभी गांव के ही सुकुल, रामू, राजा, गोहों, सूरज, छोटू, व भोलू मौके पर पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करते हुए लाठी, डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट से अचेते होने पर युवकों ने हरि को नाली में फेंक कर फरार हो गए। इधर घटना की जानकारी लगने पर पीड़ित युवक के दोस्तों ने उसे नाली से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया।

सड़क पर बिखरे मुरूम पत्थर, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

करोड़ों की लागत बनी नई सड़क फिर भी राहगीरों के लिए खतरनाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मानीचौक

सलका रजवारी पारा से रेड नदी तक बनी नई पक्की सड़क अब राहगीरों के लिए खतरनाक हो गया है। साइड सोल्डर में भरे गए मुरम पत्थर सड़क पर फैल जाने से न सिर्फ सड़क खराब होने लगी है बल्कि मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए परेशान के सबब बन गए है। ऐसा नहीं है कि सड़क पर बिखरे मुरम पत्थर को व्यवस्थित करने की मांग लोगों ने नहीं की है बावजूद इसके किसी प्रकार की पहल नहीं करने से क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश है।

खास बात
- पत्थरों के धसने से सड़क हो रही खराब

क्षेत्र के ग्राम पंचायत सलका रजवाड़ी पारा से रेड नदी तक हाल ही में निर्मित डामरीकृत सड़क एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। इस बार कारण गुणवत्ता नहीं बल्कि ठेकेदार की लापरवाही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के बाद अब किनारों पर डाले जा रहे मुरूम पत्थर के कारण पूरी सड़क की हालत बिगड़ती जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क का निर्माण अच्छे स्तर पर किया गया है और डामरीकरण भी संतोषजनक था। लेकिन अब सड़क के दोनों किनारों पर जो मुरूम डाला जा रहा है, वह बिना किसी मानक के डाला जा रहा है। इस मुरूम में बड़े-बड़े पत्थर मौजूद हैं, जिन्हें सीधे सड़क के किनारे गिरा दिया जाता है। ऐसे में पत्थर मुख्य डामरीकृत सड़क पर आकर धंस रहे हैं और सड़क को नुकसान पहुंचा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुरूम डालते समय यह ध्यान नहीं रखा जा रहा कि वह केवल साइड सोल्डर तक सीमित रहे। कई जगहों पर मुरूम सड़क के ऊपर तक फैल गया है, जिससे न केवल सड़क की सतह खराब हो रही है बल्कि मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों के लिए भी परेशानी के सबब बन गए है। इसके अलावा, जेसीबी मशीन से मुरूम को फैलाने और समतल करने की प्रक्रिया में सड़क की डामरी परत को नुकसान पहुंच रहा है, जिससे सड़क की स्थिति दयनीय हो जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते सड़क से मुरूम पत्थर को व्यवस्थित नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में सड़क की हालत और भी दयनीय हो जाएगी।

नवनिर्मित सड़क पर बिखरे मुरूम पत्थर।

ग्रामीण करा चुके है काम बंद

ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से पक्की सड़क निर्माण की मांग पर जब सड़क निर्माण शुरू हुआ तो घटिया सड़क निर्माण कराने पर ग्रामीणों ने विरोध करते हुए काम बंद करा दिया था। सड़क की साइड शोल्डर के उखड़ जाने तथा वाहनों की मार सहने योग्य नहीं होने पर ग्रामीणों ने गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों की मांग पर अधिकारी ने मौके के निरीक्षण किया जिसके बाद सड़क निर्माण गुणवत्ता में सुधार आया। लेकिन अब सड़क पर बिखरे मुरूम ने नई समस्या खड़ी कर दी है जिसे लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

कई बार की जा चुकी है शिकायत

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर बिखरे मुरूम पत्थर को व्यवस्थित करने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है बावजूद इसके आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। अधिकारियों के चुप्पी साध लेने से अब लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द उचित जांच और सुधार की मांग की है। अगर समय पर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो अल्प अवधि में ही सड़क खराब हो जाएगी।

रोलर से कराएंगे पिचिंग

साइड सोल्डर में मुरम का रोलर से पिचिंग कराएंगे। सड़क पर जो मुरूम बिखरे है उसे तत्काल नीचे कराकर पिचिंग का कराया जाएगा। मुरूम का पिचिंग होने के बाद परेशानी नहीं होगी।

-कंचन मंडल, सब इंजीनियर

प्रसव पीड़ा से छटपटाती रही महिला, नहीं पहुंची एम्बुलेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर

स्वास्थ्य केंद्र महुली में ताला लटकने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन ने 102 एवं 108 एम्बुलेंस के लिए परेशान रहें। परिजन द्वारा एम्बुलेंस के लिए फोन लगाने पर मध्यप्रदेश में लग रहा था। घंटों परेशान होने के बावजूद एम्बुलेंस की सेवा नहीं मिली तो परिजन ने किसी तरह निजी वाहन की व्यवस्था की।

दूरस्थ ग्राम बैजनपाट निवासी श्रीमती सोनमति गोड़ पति राम बिसाले गोड़ (22वर्ष) को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन ने 102 एवं 108 एम्बुलेंस को सूचना देने फोन लगाने घंटो परेशान रहे। फोन स्वास्थ्य केंद्र के बजाय मध्यप्रदेश में लग रहा था। दूरस्थ ग्राम बैजनपाट दूरसंचार की दृष्टि से पहुंचविहीन है। परिजन ने पहाड़ी पर चढ़कर भी फोन लगाया लेकिन बात नहीं हो सकी। अंत में परिजन निजी वाहन से पीड़िता को लेकर अस्पताल गए। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ.सुरेश कुमार मिश्रा ने कहा कि मामले में कोई भी कोई भी मदद नहीं कर सकता वहीं सीएमएचओ डॉ.कपिलदेव पैकरा ने बताया कि पहुंचविहीन क्षेत्र का मामला है। मैं देखता हूं।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने बिहान योजना हुई घोटाले की शिकार, पीआरपी ने किया लाखों का गबन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने सरकार द्वारा शुरू की गई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान घोटाले की भेंट चढ़ गई। इस बहुउद्देश्यीय योजना से महिलाएं तो आत्मनिर्भर नही हुई लेकिन सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना बिहान योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। इस योजना से पीआरपी ने बीते साल लाखों रुपये गबन कर लिया। इस बात का खुलासा होने के बाद अधिकारियों को पीआरपी से गबन की राशि वसूलने में पसीने छूट रहे है। बिहान योजना में गबन के बाद पीआरपी को हटाने के आदेश जारी होने के बाद भी अभी तक पद पर डटी हुई है। पीआरपी का अभी तक नही हटना विभागीय अधिकारियों की मंशा पर सवाल खड़े कर रहा है।

विदित हो कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सशक्त बनाने स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनाने छतीसगढ़ सरकार ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना संचालित कर रही है। यह मिशन स्व सहायता समूहों के गठन वित्तीय समावेशन कौशल प्रशिक्षण एवं विपणन सहायता के जरिये ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने एवं स्वावलंबी बनाने का काम करती है। इस मिशन के जरिये महिलाओं को जोड़कर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की जगह इसे जुड़े लोग आत्मनिर्भर बनने लगे। आजीविका मिशन के तहत बिहान योजना से संलग्न सामुदायिक संस्थानों से लाखों रुपए गबन कर लिया गया। ग्राम भुषु में पदस्थ गंगा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन की पीआरपी राजकिशोरी कुजूर ने 2022 से 2024 के बीच पांच ग्राम संगठनों से 5 लाख 90 हजार रुपए नियम विरुद्ध गबन कर लिया। इस बात का खुलासा जनपद पंचायत स्तर पर गठित जांच कमेटी द्वारा जांच के बाद हुआ। जांच में खुलासा होने के बाद मामला जिले के अधिकारियों तक पहुंचा। तब जाकर इसमे एक्शन हुआ और जिले के अधिकारी के दिशा निर्देश पर पीआरपी के विरुद्ध गबन राशि वसूलने की कार्रवाई शुरू की गई। सालों पूर्व पीआरपी द्वारा किए गए गबन की राशि वसूलने में अधिकारियों के पसीने छूट गए। काफी मशक्कत के बाद अधिकारियों ने पीआरपी से 3 लाख 63 हजार 9 सौ 99 रुपये वसूली की है। जिसे संकुल स्तरीय संगठन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्राम संगठनों को वापस किया गया। अभी भी गबन की राशि 2 लाख 26 हजार 1 रुपये वसूलना बाकी है। जिसको लेकर स्थानीय अधिकारी गंभीर नजर नही आ रहे है।

इस संबंध में सीईओ जनपद पंचायत जयगोविंद गुप्ता ने बताया कि पीआरपी से संबंधित मामला जिला पंचायत कार्यालय में विचाराधीन है। वहां से दिशा निर्देश जारी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अचीवर्स इंटरनेशनल स्कूल में 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन

प्रतापपुर। अचीवर्स इंटरनेशनल स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल और रचनात्मक क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से एक विशेष 10 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप नियमित समर कैंप के अतिरिक्त आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस कैंप में छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग एवं रोबोटिक्स का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए नई दिल्ली से विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया है, जो बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से सीखने का अवसर प्रदान करेंगे। कैंप में प्रत्येक छात्र को रोबोटिक्स किट उपलब्ध कराना, पूरी तरह प्रैक्टिकल एवं हैंड्स-ऑन लर्निंग, तथा तकनीकी अवधारणाओं की आधारभूत जानकारी शामिल है। कार्यक्रम 8 से 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन 2 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

रीजनल वर्कशॉप में सेंधमारी लाखों के कॉपर तार की चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के रीजनल वर्कशॉप में अज्ञात चोरों ने स्ट्रांग रूम में सेंधमारी कर लाखों रुपये के कॉपर तार और अन्य सामान पार कर दिया। घटना का खुलासा सोमवार सुबह तब हुआ, जब कर्मचारी कार्यस्थल पहुंचे और स्ट्रांग रूम में तोड़फोड़ सेंधमारी की घटना देखी।

जानकारी के अनुसार, स्टोर में रखे करीब तीन क्विंटल कॉपर वायर सहित अन्य महंगे उपकरण गायब पाए गए हैं। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना उच्च प्रबंधन को दी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। गौरतलब है कि जिस स्थान पर चोरी हुई, वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने का दावा किया जाता है। वर्कशॉप में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी भी रहती है। इसके बावजूद इतनी बड़ी चोरी होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन हर बार मामला दबा दिया जाता है।

कुछ कर्मचारियों ने इस घटना में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी जताई है। वहीं क्षेत्र में अवैध कबाड़ कारोबार के फिर से शुरू होने की भी चर्चा है, जिसके जरिए चोरी के सामान को खपाए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

पेट्रोल पंप कर्मचारी ने स्कूटी की टंकी फुल नहीं की तो युवती ने की पिटाई

अम्बिकापुर। सीतापुर क्षेत्र में पेट्रोल की किल्लत इस कदर हो गई है अब पेट्रोल पंप ड्राई की स्थिति पहुंच गई है। ऐसे में पेट्रोल पंप संचालक वाहन सवार लोगों के लिए पेट्रोल पंप में एक निर्धारित राशि तक ही पेट्रोल देना शुरू कर दिए है। ऐसे में अब पेट्रोल पंप में मारपीट की स्थिति निर्मित होने लगी है। शनिवार को जब एक युवती पेट्रोल पंप में अपनी स्कूटी की टंकी फुल करने कहा तो कर्मचारी ने निर्धारित राशि तक ही पेट्रोल देने की बात कही जिससे दोनों के बीच न सिर्फ विवाद हुआ बल्कि युवती ने एक युवक के साथ मिलकर कर्मचारी की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है।

- सीतापुर क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप ड्राई की स्थिति, मारपीट की नौबत

जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना अंतर्गत ग्राम सोनतराई निवासी मनोहर दास आ. शिव कुमार दास सीतापुर स्थित एक पेट्रोल पंप में काम करता है। हर रोज की भांति शनिवार को ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान शाम लगभग 6.45 बजे उरांव पारा की सालू मिंज पेट्रोल डलवाने पहुंची और कर्मचारी मनोहर को अपनी स्कूटी में पेट्रोल टंकी फुल करने की बात कही। जिस पर मनोहर ने कहा कि पेट्रोल पंप मालिक बोला है कि पेट्रोल पंप में स्टॉक कम है और सभी ग्राहक को 2-2 सौ रुपए का पेट्रोल देना है। कर्मचारी ने जब टंकी फुल करने से मना किया तो युवती विवाद करने लगे जिसे देख मैनेजर मौके पर पहुंचा और सालू मिंज को समझाइश दी। जिस पर सालू मिंज ने दो सौ रूपए का पेट्रोल डलवाने के बाद गाली गलौज करने के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करना शुरू कर दिया। वहीं सालू के साथ आए युवक ने भी कर्मचारी की जमकर पिटाई कर दी। कर्मचारी के साथ मारपीट करने पर संचालक व मैनेजर मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित कर्मचारी ने घटना की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

बाबा साहेब के विचारों को अपनाएं : रामसेवक

अम्बिकापुर। डॉ.अंबेडकर जयंती पखवाड़ा के अवसर पर भाजपा मंडल देवगढ़ के ग्राम खम्हरिया में भाजपा सरगुजा द्वारा जिला संगोष्ठी सममेलन एवं समरसता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत माता, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रजवलित कर पुष्पाजंलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा व भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के साथ रामलखन पैकरा, कार्यक्रम संयोजक मधुसूदन शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य राधा रवि और मंडल अध्यक्ष अखंड विधायक सिंह ने सम्मेलन को संबोधित किया। वन विकास निगम क अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर संविधान निर्माता के रूप में भारतीय समाज को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मूलमंत्र प्रदान करने वाले महान व्यक्तित्व थे। बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए हमें सामाजिक समरसता को मजबूत करना होगा। जातिवाद की दीवारें तोड़कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का निर्माण ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि डॉ.अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक है और भाजपा इन्हें अपनी नीतियों में उतार रही है।

अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर महामना मालवीय मिशन द्वारा मालवीय भवन में श्रीमद्भगवद्गीता के तेरहवें अध्याय का सामूहिक पाठ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम के जीवन-दर्शन के साथ-साथ शरीर और आत्मा के रहस्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने विशेष रूप से गीता के तेरहवें अध्याय क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विभाग योग की दार्शनिक गहराइयों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। ललित मोहन तिवारी ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा प्रश्न सदैव यही रहा है कि मनुष्य वास्तव में क्या है, क्या वह केवल शरीर है या उससे परे कोई शाश्वत तत्व भी विद्यमान है। उन्होंने बताया कि इस प्रश्न का उत्तर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेशों में मिलता है। इसी क्रम में भगवान परशुराम के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालते हुए राम नारायण शर्मा ने कहा कि केवल शक्ति और पराक्रम के प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म-संरक्षण, न्याय और तपस्या के अद्वितीय आदर्श हैं। परशुराम का जीवन यह सिखाता है कि जब-जब समाज में अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब सजग और संयमित शक्ति का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। उनका तप, त्याग और गुरु-परंपरा के प्रति समर्पण यह दर्शाता है। दुर्गा प्रसाद तिवारी ने स्पष्ट किया कि गीता के अनुसार यह शरीर क्षेत्र है, जहाँ जीवन की सभी क्रियाएं घटित होती हैं। ब्रह्म शंकर सिंह ने कहा कि प्रत्येक शरीर में आत्मा विद्यमान है, किंतु समस्त प्राणियों में व्याप्त परम चेतना ही परमात्मा है। राज नारायण द्विवेदी ने कहा कि गीता का यह अध्याय ज्ञान के गुणों को भी स्पष्ट करता है। प्रकाश कश्यप ने कहा कि मनुष्य का दुःख इस भ्रांति से उत्पन्न होता है कि वह स्वयं को केवल शरीर मान लेता है, जबकि आत्मा शाश्वत और अविनाशी है। जयप्रकाश चौबे ने बताया कि जब मनुष्य इस सत्य को आत्मसात कर लेता है, तब उसके जीवन में समत्व और शांति का भाव विकसित होता है। डॉ. जीके अग्रवाल ने कहा कि यह अध्याय प्रकृति और परमात्मा के संबंध को समझने की प्रेरणा देता है, जबकि अशोक सोनकर ने इसे मोक्ष का मार्ग बताया। सच्चिदानंद पांडेय ने कहा कि यह मनुष्य को शरीर की सीमाओं से ऊपर उठकर आत्मा की शाश्वत चेतना को पहचानने की प्रेरणा देता है।

समय-सीमा की बैठक में सुशासन तिहार की तैयारियों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों के त्वरित, समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से 1 मई से 10 जून तक जन समस्या निवारण शिविरों के आयोजन की रूपरेखा पर व्यापक विमर्श किया गया।

कलेक्टर एस जयवर्धन ने सुशासन तिहार के सफल संचालन हेतु आदेश जारी करते हुए जिले के समस्त जनपद पंचायतों में क्लस्टरवार समाधान शिविरों की तिथि, स्थान एवं नोडल अधिकारियों का निर्धारण कर दिया है। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 अप्रैल तक राजस्व प्रकरण, मनरेगा भुगतान, हितग्राही मूलक योजनाएं, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, विद्युत एवं हैंडपंप आदि से संबंधित समस्त लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि 1 मई से 10 जून तक ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टरवार जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में प्राप्त समस्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, जिससे पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंच सके।

एक ही तरह की भूमिकाओं से बचने के लिए छोड़ दिया अभिनय

मुंबई। अभिनेता और फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप अपनी चुनिंदा भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की बात पर खुलकर बात की है। अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी फिल्म 'डकैत' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक खबर के अनुसार, 53 साल के अनुराग कश्यप ने फिल्मों से ब्रेक लेने की बात पर कहा कि उन्हें बार-बार एक ही तरह की भूमिकाएं मिल रही थीं। इससे बचने के लिए उन्होंने जानबूझकर अभिनय छोड़ दिया था। वे नहीं चाहते थे कि लोग उन्हें एक तय स्क्रीन इमेज में देखने लगें। उन्होंने हाल ही में तेलुगु फिल्म डकैत में काम करके तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। इस फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं।

लाइफ Style

जैस्मीन

माता-पिता से कई बार मिला दर्द

एजेंसी ⏭ मुंबई

अब हाल ही में उन्होंने स्ट्रगल्स को लेकर खुलकर बात की। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में जैस्मीन ने कहा, 'मैंने काफी स्ट्रगल किया है। मुझे लगता है कि बड़े होते हुए मैंने अपनी जिंदगी के कई ऐसे दौर देखे, जहां मुझे चीजों को खुद समझना पड़ा। वो सफर आसान नहीं था। जिंदगी में बहुत कुछ होता है। यह माता-पिता के लिए भी मुश्किल होता है, लेकिन, बच्चों के लिए भी। हमें सही मार्गदर्शन और प्यार की जरूरत होती है माता-पिता बच्चों के साथ इतने सख्त क्यों होते हैं?' उन्होंने आगे कहा, 'जब जिंदगी सच में मुश्किल होती है, तब आपको सहारे की जरूरत महसूस होती है। उन 2-3 वर्षों में जब मैं शराब पीती थी, मुझे अपने कुछ फैसलों का अफसोस है। बहुत सारी चीजें एक साथ हो रही थीं। एक तरफ मैं मशहूर हो रही थी, दूसरी तरफ अंदर से बहुत कुछ महसूस कर रही थी, परिवार में समस्याएं थीं, मेरे पिता नहीं रहे थे, और मैं सफल भी थी। मैंने जरूरत से ज्यादा शराब पी, जिसका मुझे अफसोस है, लेकिन उस समय मेरे लिए वो जरूरी लग रहा था।'उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बचपन में अपने माता-पिता से कई बार दिल टूटने का दर्द मिला। उन्होंने अनजाने में कई बार मेरा दिल दुखाया, इसलिए कहीं न कहीं मन में थोड़ी नाराजगी भी है।

जैस्मीन सैंडलस ने धुरंधर फिल्म में कई गानें दिए हैं, जैसे- धुरंधर का टाइटल ट्रैक, शरारत, मैं और तू। इनमें से सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी धुरंधर 2 के गाने जाइए सजना ने बटोरी। इस गानें पर उनका लाइव परफॉर्मेंस भी काफी वायरल हुआ।

हॉलीवुड मसाला

कई टीवी फिल्मों में भी किया काम

लॉस एंजिल्स। एक्टर और प्रोड्यूसर पैट्रिक मुल्डून का 19 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 57 साल के थे। वह शो 'डेज ऑफ अवर लाइव्स' और फिल्म 'स्टारशिप ट्रूपर्स' में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। कैलिफोर्निया के सैन पेड्रो में जन्मे मुल्डून ने यूएससी से ग्रेजुएशन किया। 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक में कई टीवी फिल्मों में भी काम किया। बड़े पर्दे पर, मुल्डून ने 1997 की फिल्म 'स्टारशिप ट्रूपर्स' में अभिनय किया।

50 साल से ज्यादा के कॅरियर में जीते चार सीजर अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। डाउनटन एबे' और 'कैच मी इफ यू कैन' जैसी फिल्मों की मशहूर फ्रांसीसी अभिनेत्री नथाली बे का 77 साल की उम्र में निधन हो गया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अभिनेत्री को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। नाथाली का जन्म 6 जुलाई 1948 को फ्रांस के नॉर्मंडी में हुआ था। उन्होंने पेरिस के नेशनल कंजर्वेटरी से अभिनय की ट्रेनिंग ली थी। 1970 के दशक में उन्होंने फिल्मों में काम शुरू किया। उन्होंने अपने 50 साल से ज्यादा के कॅरियर में चार सीजर अवॉर्ड जीते थे। नथाली के शुरुआती दिनों में फ्राँस्वा त्रुफो की 'डे फॉर नाइट' और जीन-ल्यूक गोडार्ड की फिल्म शामिल हैं। उन्होंने मार्टिन गेरे की वापसी और वीनस ब्यूटी इंस्टीट्यूट जैसी लोकप्रिय फ्रेंच फिल्मों में भी काम किया है। इसके अलावा हॉलीवुड में उन्होंने कैच मी यू केन में लियोनार्डो डिकैप्रियो की मां का रोल निभाया।

ब्रेकअप के बाद काफी टूट गई थीं ...

मुंबई। कल्कि कोचलिन देव डी, डायन, ये जवानी है दीवानी, भय जैसी फिल्मों और सीरीज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि एक दर्दनाक ब्रेकअप के बाद उन्हें कई महीनों तक नींद नहीं आती थी। इस मुश्किल समय ने उन्हें यह समझाया कि दिल और दिमाग का असर शरीर पर कितना गहरा पड़ता है। अपने इस अनुभव को याद करते हुए कल्पी ने ऑल अबाउट हर पॉडकास्ट में कहा, 'मुझे ब्रेकअप के बाद कई महीनों तक इंसोम्निया (नींद न आना) रहा, और तब मुझे एहसास हुआ कि ये सब कितना ज्यादा मानसिक होता है।'उन्होंने आगे बताया, 'मैं सो ही नहीं पाती थी। रात के 2 या 3 बजे मेरी आंख खुल जाती थी और फिर मैं गिटार बजाने लगती थी या खुद को किसी काम में व्यस्त कर लेती थी, क्योंकि दोबारा सो पाना नामुमकिन लगता था।'

राजा शिवाजी का ट्रेलर लांच, जुटी पूरी टीम

मुंबई। रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत राजा शिवाजी इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। सोमवार को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट हुआ। जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट एक साथ नजर आई। अब इस इवेंट के कई वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक वीडियो में जहां अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और विद्या बालन रितेश की तारीफ करते हुए फिल्म में अपने शामिल होने की कहानी बताते हैं। जबकि कई अन्य वीडियोज में बाकी कलाकार एक-दूसरे मिलते और बात करते दिखाई दे रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिषेक बच्चन से जब पूछा गया कि जब रितेश उनके पास फिल्म की कहानी लेकर गए, तो उन्होंने कितनी देर में हां कर दी? इस पर अभिषेक ने पहले मजाकिया लहजे में कहा कि मैं टाइम तो नोट नहीं कर रहा था।

टीवी मसाला

तन्वी बनीं बिग बॉस मराठी सीजन 6 की विजेता, राकेश रहे पहले रनर-अप

मुंबई। बिग बॉस मराठी 6 फिनाले की विजेता की ट्रॉफी तन्वी कोल्टे ने जीत ली है। जीतने पर तन्वी कोल्टे को लाखों रुपए का नकद पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही उन्हें एक इलेक्ट्रिक स्कूटर और हीरे के आभूषणों के लिए लाखों रुपए का वाउचर भी दिया गया है। लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' मराठी का छठा सीजन रविवार को समाप्त हो गया है। इस सीजन में तन्वी कोल्टे ने ट्रॉफी जीत ली है। राकेश बापट पहले रनर-अप रहे। अभिनेता रितेश देशमुख द्वारा होस्ट किए गए इस रियलिटी शो से विशाल कोटियन, अनुश्री माने और दीपाली सैयद बाहर हो चुके थे। तन्वी ने बाकी सभी खिलाड़ियों को हराकर यह ट्रॉफी अपने नाम की। साथ ही उन्होंने 5 लाख रुपए का सूटकेस भी ठुकरा दिया था। 'बिग बॉस मराठी 6' की ट्रॉफी जीतने पर तन्वी को 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिला है। इसी के साथ तन्वी को एक इलेक्ट्रिक स्कूटर भी मिला है। इसके साथ तन्वी को हीरे के आभूषणों के लिए 10 लाख रुपए का वाउचर भी दिया गया है। 'बिग बॉस मराठी 6' का ग्रैंड फिनाले बहुत धमाकेदार रहा। कई पूर्व प्रतियोगियों ने डांस परफॉर्मेंस दी। खासतौर पर राखी सावंत भी डांस करती दिखीं। होस्ट रितेश देशमुख के साथ अभिषेक बच्चन और जेनेलिया डिसूजा भी मौजूद थे। इस दौरान रितेश ने अपनी आने वाली फिल्म 'राजा शिवाजी' का प्रमोशन भी किया।

ओटीटी पर रिलीज होने की तैयारी में धुरंधर 2

मुंबई। धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म ने रिलीज के बाद कई रिकॉर्ड तोड़े और अभी भी मूवी सिनेमाघरों में लगी हुई है।

फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। 'भूत बंगला' के रिलीज के बाद भी इसकी बुकिंग जारी है। इसलिए अभी इसे ओटीटी पर रिलीज होने में थोड़ा समय लग सकता है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धुरंधर 2' मई के आखिर या जून के शुरुआत में ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। इसका पहला पार्ट नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था, लेकिन 'धुरंधर द रिवेंज' डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार के पास हैं। जियो हॉटस्टार 150 करोड़ की डील साइन कर इसके राइट्स लिए हैं। इसका मतलब यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह दो-भागों वाली स्पाई थ्रिलर फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही है। मूवी में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी अहम किरदार में नजर आए हैं।

पति-पत्नी और वो दो का टीजर जारी मुश्किल में फंसे आयुष्मान

मुंबई। काफी इंतजार के बाद आखिरकार मेकर्स ने आयुष्मान खुराना की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज किया है। यह फिल्म पहले 4 मार्च को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, किसी वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट टाल दी। टीजर रिलीज करने के साथ इस फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के एक मिनट 22 सेकंड के टीजर में कई दौर दिखाए गए हैं। इसमें दिखाया गया है कि हर दौर के हिसाब से कई चीजें बदली हैं लेकिन पतियों की फितरत नहीं बदली है। इसके बाद आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के साथ रोमांस करते हुए नजर आते हैं। टीजर में आगे दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना कई महिलाओं के साथ रोमांस करने को लेकर मुश्किल में फंसते हैं। वह महिलाओं से बचते हुए नजर आते हैं। ट्रेलर में विजय राज भी दिखें हैं, जिन्होंने पुलिस वाले का किरदार निभाया है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी थी कि यह कब रिलीज होगी। पोस्ट में

फिल्म का पोस्टर था, जिसमें आयुष्मान खुराना एक चीते के साथ बैठे थे। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था 'शिकारी खुद हो गया शिकार। अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ 'पति पत्नी और वो दो' के लिए तैयार।

इस वीक दर्शकों को मिलेगा एक्शन कॉमेडी और थ्रिल का ट्रिपल डोज

नई दिल्ली। अप्रैल का पहला वीक काफी खास रहा। ओटीटी पर कई शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। दूसरा वीक भी कम दिलचस्प नहीं है। दर्शकों को एक्शन, कॉमेडी और थ्रिल का रोमांच मिलेगा। यह महीना मनोरंजन के शौकीनों के लिए काफी अच्छा बीत रहा है। सिनेमाघरों में डकैत और भूत बंगला जैसी फिल्मों ने दस्तक दी है। वहीं, ओटीटी पर भी टोस्टर और मटका किंग सहित कई फिल्में और सीरीज बीते सप्ताह रिलीज हुईं। इस महीने का दूसरा वीक भी काफी शानदार है।

प्रतिछाया : यह मलयालम पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म इस साल मार्च में थिएटर्स में रिलीज हुई थी। अब यह ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। इस वीक से दर्शक इसे देख सकेंगे। इस फिल्म में पावर, राजनीति और बदले की दमदार कहानी दिखाई गई है। 24 अप्रैल से इसे जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

24 : अनिल कपूर अभिनीत एक्शन थ्रिलर शो 24 का तीसरा सीजन इस वीक रिलीज होने जा रहा है। इसमें अनिल कपूर एक बार फिर जय सिंह राठौड़ के रोल में नजर आने वाले हैं। इसे दर्शक 24 अप्रैल से जियो हॉटस्टार पर देख सकेंगे। बता दें कि '24' का पहला सीजन 04 अक्टूबर 2013 को टीवी पर आया था। दूसरा सीजन 23 जुलाई 2016 से 9 अक्टूबर 2016 तक प्रसारित हुआ। अब तीसरा सीजन ओटीटी पर आ रहा है।

स्ट्रेंजर थिंग्स- टेल्स फ्रॉम 85 : यह सीरीज भी इस वीक की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। यह 23 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह एक एनिमेटेड साइंस फिक्शन सीरीज है। अगर आपको एनिमेटेड शो पसंद हैं, तो इसे देख सकते हैं।

एपेक्स : यह एक सर्वाइवल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह भी इस वीक रिलीज होगी। इसका निर्देशन बाल्टासर कोरमाकुर ने किया है। इसकी स्क्रिप्ट जेरेमी रॉबिन्स ने लिखी है। वहीं, इसमें चार्लीज थेरॉन, टैरोन एगर्टन और एरिक बाना जैसे सितारे हैं। यह 24 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

कपिल शर्मा शो के कारण एक्टिंग कॅरियर हुआ ठप, अर्चना को अफसोस!

कई फिल्मों को किया मना, अब मेकर्स को नहीं दिला रहीं यकीन

नई दिल्ली। अर्चना पूरन सिंह ने साल 1982 में महज 20 साल की उम्र में फिल्म 'निकाह' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। वह उन चुनिंदा एक्ट्रेससेस में से हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे और टीवी, दोनों पर साथ-साथ काम किया और दोनों ही मोर्चों पर शोहरत बटोरी। साल 1987 में वह नसीरुद्दीन शाह के साथ फिल्म जलवा में लीड रोल में नजर आईं। अब तक 100 से अधिक फिल्मों और टीवी शोज में काम कर चुकीं 63 साल की अर्चना को मौजूदा वक्त में 'द कपिल शर्मा शो' में जज के रूप में पहचाना जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस कॉमेडी शो ने उन्हें नए दौर में खूब पॉपुलैरिटी दी। लेकिन, एक्ट्रेस का मानना है कि कहीं ना कहीं इस कारण उनका एक्टिंग कॅरियर 'ठप' पड़ गया। ताजा इंटरव्यू में उनका यह दर्द छलका है, जो कहीं ना कहीं 'पछतावा' बनकर भी उभरा है। नब्बे के दशक में बाज और जज मुजरिम जैसी फिल्मों में आइटम नंबर, फिर 'इंसान, कुछ कुछ होता है, दे दना दन और बोल बच्चन जैसी फिल्मों में अपने कॉमेडी अवतार के लिए सुर्खियां बटोरने वाली अर्चना पूरन सिंह ने 2019 में, नवजोत सिंह सिद्धू की जगह 'द कपिल शर्मा शो' में जज के तौर पर एंट्री की थी। इसके बाद से ही वह इस शो का हिस्सा हैं। यह शो पहले टीवी पर आता था और अब ओटीटी पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नाम से प्रसारित होता है।

दूसरे प्रोजेक्ट्स में काम करना था मुश्किल

इन दिनों नेटफ्लिक्स फिल्म 'टोस्टर' में नजर आ रहीं अर्चना पूरन सिंह एक बातचीत में कहती हैं, 'इन बीते सालों में मैं फिल्मों में काम नहीं कर पाई। एक बार मुझे एक कॉल आया। उन्हें एक शूट के लिए 25 दिनों के लिए मुझे स्कॉटलैंड ले जाना था। लेकिन, मेरे लिए कपिल के शो की शूटिंग छोड़कर कहीं और फिल्म की शूटिंग करना मुमकिन नहीं था। पहले, जब यह शो टीवी पर आता था, तो हम साल में 100 एपिसोड शूट करते थे। यही वजह है कि मेरे पास कुछ और करने का समय ही नहीं होता था।' कपिल के शो की वजह से मुझे कई फिल्मों को मना करना पड़ा। मैंने इतनी बार मना कर चुकी हूं कि लोगों ने मुझे एक्टिंग के लिए अप्रोच करना ही बंद कर दिया।

लोगों ने अप्रोच करना छोड़ दिया

अर्चना ने आगे कहा, 'कपिल के शो की वजह से मुझे कई फिल्मों को मना करना पड़ा। अब क्योंकि मैंने इतनी बार मना कर चुकी हूं, इसलिए लोगों ने मुझे एक्टिंग के लिए अप्रोच करना ही बंद कर दिया।' हालांकि, एक्ट्रेस यह भी कहती हैं कि अब जब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है, तो उन्हें उम्मीद है कि उनके कॅरियर को एक नई जिंदगी मिलेगी। मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, मैं फिल्ममेकर्स को यकीन नहीं दिला पा रही हूं। उन्हें अब भी लगता है कि मैं कोई ऐसी इंसान हूं जो बस कुर्सी पर बैठकर हंसती रहती है।

'आदर्श बाल विद्यालय' सीरीज में दिखेंगी

वैसे, 'टोस्टर' से पहले अर्चना पूरन सिंह बीते साल 2025 में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की 'नादानियां' में नजर आई थीं। आगे वह केके मेनन के साथ वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में भी दिखेंगी।

राजकुमार के साथ दूसरी बार काम

अर्चना पूरन सिंह फिल्म 'टोस्टर' में एक कॉमिक रोल में नजर आ रही हैं। राजकुमार राव के साथ यह उनका दूसरा कोलैबोरेशन है। इससे पहले दोनों 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में साथ काम कर चुके हैं। वह कहती हैं, 'राजकुमार ने मेरा काम 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा था। यह पहली बार था जब हम दोनों एक-दूसरे के साथ काम कर रहे थे। इसी तरह 'टोस्टर'की शुरुआत हुई। अगर मैंने उस फिल्म में उनके साथ काम नहीं करती, तो शायद 'टोस्टर'का हिस्सा नहीं बन पाती।'

खबर संक्षेप

चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से टला बाल विवाह

मनेन्द्रगढ़। जिले में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। ग्राम मुसरा एवं ग्राम सिरौंदी थाना मनेन्द्रगढ़ में प्रस्तावित बाल विवाहों की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को प्राप्त होते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया और समय रहते दोनों मामलों में हस्तक्षेप कर विवाह को रूकवा दिया गया। सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा तत्काल संयुक्त टीम का गठन किया गया। ब्लॉक परियोजना अधिकारी के नेतृत्व में सेक्टर सुपरवाइजर, चाइल्ड हेल्पलाइन टीम, जिला बाल संरक्षण इकाई, थाना केल्हारी का पुलिस बल तथा स्थानीय सरपंच एवं पंच की उपस्थिति में दोनों गांवों में पहुंचकर बाल विवाह की प्रक्रिया को रोक दिया गया। कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा संबंधित परिवारों को बाल विवाह के दुष्परिणामों जैसे शिक्षा में बाधा, स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव एवं सामाजिक विकास में रूकावट के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया गया कि बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष तथा बालिका की 18 वर्ष निर्धारित है और इसका उल्लंघन दंडनीय अपराध है।

पृष्ठ 1 का शेष

पण्डो परिवार ...

जानकारी के अनुसार आनंदपुर के स्कूल के पास बोर स्थित है, लेकिन गर्मी में ज्यादा देर नहीं चलता। कुछ लोगों के घर के पास कुआं है, इससे वे पेयजल प्राप्त करते हैं, लेकिन ज्यादातर परिवारों को ढोढ़ी से पेयजल लाने की मजबूरी है। इस तरह प्रतिदिन पण्डो परिवार की महिलाएं सुबह होने के साथ ही पेयजल के लिए जद्दोजहद करती है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यहां की प्रमुख समस्या पेयजल की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल जीवन मिशन की बंद पड़ी पानी की टंकी को तत्काल चालू कर घरों तक पानी पहुंचाया जाए ,ताकि उन्हें दूर ढोढ़ी से पेयजल लाने की मजबूरी से मुक्ति मिल सके। भू-जल स्तर भी गिरावन ग्राम आनंदपुर में भू-जल स्तर गिरने के कारण भी परेशानी हैं। जानकारी के अनुसार आनंदपुर में कुछ लोगों के घर के पास कुआं हैं, लेकिन उनमें पानी सूखने के कगार की स्थिति में अभी से आ गए हैं, वहीं एक स्थाान पर स्थित कुआं तो पूरी तरह से सूख गया है। वन ग्राम आनंदपुर में सबसे बड़ी समस्या है कि कई जगह खुदाई करने पर बडे-बडे पत्थर मिलते हैं, इसके चलते कुएं की गहराई अधिक नहीं खुदाई कर पाते। गांव में दो-तीन जगहो पर प्राकृतिक जल स्त्रोत हैं, जहां से ग्रामीण पेयजल प्राप्त करते हैं।

पारदर्शी वितरण के ...

भी कार्य निष्पादन में सुविधा प्राप्त होगी। जिलाध्यक्ष दीपक कुमार साहू ने बताया कि सहकारी समितियों में भंडारण सुनिश्चित होने से निम्नलिखित लाभ होंगे। किसानों को उनके निकटतम स्तर पर समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सामग्री का सुरक्षित और व्यवस्थित रख-रखाव संभव होगा, जिससे गुणवत्ता बनी रहेगी। वितरण प्रणाली अधिक सुगम, स्पष्ट और पारदर्शी बनेगी। मैदानी स्तर पर कार्यरत कृषि अधिकारियों को अनावश्यक प्रशासनिक और भौतिक कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी। उप संचालक कृषि ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए इस दिशा में सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि इस दिशा में शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो संघ अपने सदस्यों के हितों के संरक्षण और मैदानी समस्याओं के निराकरण के लिए आगामी संगठनात्मक निर्णय लेने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय कार्यालयीन सचिव एवं जिलाध्यक्ष एमसीबी दीपक कुमार साहू, प्रांतीय प्रतिनिधि आशीष नामदेव, उपाध्यक्ष संजय अमलेश, जिला सचिव विकास चौरसिया, कोषाध्यक्ष सूरज सिंह भगत, मीडिया प्रभारी रामबिहारी लहरे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सुबह होते ही महुआ बीनने जुट जाते हैं गांव के लोग

वनांचल क्षेत्रों में ग्रामीणों की आमदनी का जरिया बना महुआ

महुआ बीनती महिला।

घर के आंगन में सुखाया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ शंकरगढ़

वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के लिए जंगल किसी वरदान से कम नहीं। जंगल में पाए जाने वाले विभिन्न प्रजाति के पेड़ पौधे के फल ग्रामीणों के लिए आय का जरिया है, जिसमें महुआ भी शामिल है। गर्मी के दिनों में होने वाले महुआ को बीनने इन दिनों ग्रामीण परिवार के साथ निकल जाते है। परंतु हाल ही में क्षेत्र में हाथी, भालू की धमक के बाद से अब ग्रामीणों को जंगली जानवरों का भय भी सताने लगा है। ऐसे में ग्रामीण पहले की अपेक्षा कम ही जंगल की ओर जाना पसंद करते है जिससे उनकी आय पर भी इसका असर पड़ा है। हालांकि वन विभाग ग्रामीणों को सर्तक कर देते है इससे ग्रामीणों को कुछ राहत मिली है।

खास बात

- महुआ बेच करते है अपनी जरूरत पूरी

आमदनी का बना जरिया

वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए महुआ इन दिनों आमदनी का जरिया बना हुआ है। महुआ को बेचकर अपनी जरूरत के सामान खरीदते हैं। सुबह महुआ बीनने के बाद अपने घरों में ले जाकर सुखाते हैं सूखने के बाद बेचकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। ऐसे में ग्रामीणों के लिए महुआ आमदनी का अतिरिक्त जरिया बन गया है।

पूरा परिवार मिलकर बीनते हैं महुआ

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी मिलकर महुआ बीनने का काम करते हैं। सुबह से ही टोकरी लेकर जंगल की तरफ महुआ बीनने निकल पड़ते हैं और दोपहर तक महुआ बीनते हैं। इन दिनों ज्यादा महुआ बीनने की होड़ ग्रामीणों के बीच लगी रहती है। यहां के जंगलों में महुआ पेड़ की अधिक संख्या में पाया जाता है.

जिले के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण इन दिनों सुबह से ही अपने पूरे परिवार के साथ महुआ बीनने निकल जाते हैं। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं एवं युवा सभी मिलकर महुआ बीनते हैं। जिले में महुआ पेड़ की संख्या अधिक होने के कारण लगभग हर गांव से हर परिवार के लोग जंगल व जंगल के आसपास स्थित पेड़ के नीचे गिरे महुआ को बीनते आसानी से नजर आ जाएंगे। ऐसे में गांव में महुआ जीविकोपार्जन का प्रमुख जरिया है बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग महुआ को बेचकर अपनी घर की छोटी मोटी जरूरतों को पूरा करते हैं। इस तरह महुआ ने वनांचल क्षेत्रों में ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी बिखेर दी है। हालांकि अप्रैल माह में हुई बेमौसम बारिश के कारण महुआ पर इसका असर पड़ा है परंतु जिस तरह से गर्मी पड़ रही है उससे महुआ गिरने से एक बार फिर ग्रामीणों की भीड़ पेड़ के नीचे लगने लगी है।

मजदूर महुआ बीनने लौट आते हैं गांव

जिले के वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महुआ का पेड़ बहुतायत में पाए जाते हैं। मार्च-अप्रैल के महीने में जमकर महुआ गिरता है जिसे ग्रामीण महुआ बीनने में जुट जाते हैं। हालांकि अप्रैल माह में बेमौसम हुई बारिश की वजह से महुआ पर असर पड़ा है। इस मौसम में बाहर मजदूरी करने जाने वाले ग्रामीण भी महुआ के सीजन में वापस गांव लौट आते हैं और महुआ बीनते हैं।

जंगली जानवरों का भय

ग्रामीण क्षेत्रों में महुआ आमदनी का जरिया बना हुआ है परंतु इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कब हाथी, भालू सहित अन्य जानवर हमला न कर दे। हालांकि वन विभाग ने भी जन हानि न हो इसे लेकर ग्रामीणों को प्रचार प्रसार कर सर्तक करते रहते है। वन विभाग की अधिकारी कर्मचारी अपने स्तर से हर जगह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार कर जहां कहीं भी हाथी आने की जानकारी लगती है तो तत्काल ग्रामीणों को जंगल नहीं जाने की सलाह देते है। इधर कभी ग्रामीण गंभीरता से नहीं लेते जिससे भालू या हाथी के हमले से घायल हो जाते है।

चिलचिलाती धूप में सुकून...

बैकुण्ठपुर। शहर के सड़क किनारे चिलचिलाती धूप के बीच फूल पौधे की दुकान में विभिन्न तरह के गुलाब सहित अन्य तरह के फूल मुस्कुरा रहे हैं। इन पर कड़ी धूप का कोई असर नहीं।

49 श्रद्धालु विशेष रेल से करेंगे अयोध्या धाम की यात्रा

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

छग शासन की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से चयनित श्रद्धालुओं का दल 21 अप्रैल को असीम उत्साह एवं श्रद्धा के साथ अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। शासन की इस जनकल्याणकारी योजना के माध्यम से आम नागरिकों को भगवान श्रीराम के जन्मस्थल के दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

जिले के नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कुल 57 श्रद्धालुओं की सूची तैयार कर छग पर्यटन बोर्ड को प्रेषित की गई थी, जिनमें से 49 श्रद्धालु यात्रा के लिए रवाना हुए। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से श्रद्धालुओं का दल बस द्वारा अंबिकापुर के लिए प्रस्थान किया, जहां से वे विशेष रेल के माध्यम से अयोध्या धाम पहुंचेंगे। 24 अप्रैल तक प्रस्तावित इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, दर्शन, सुरक्षा एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की समुचित व्यवस्था शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। साथ ही यात्रा दल के साथ एक एस्कॉर्ट अधिकारी की भी तैनाती की गई है, जो पूरी यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं का सतत पर्यवेक्षण करेंगे। अयोध्या के लिए रवाना होते समय श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह एवं भक्ति भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था। श्रद्धालुओं ने इस अवसर के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उनके जीवन का एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव सिद्ध होगी। राम धुन, भजन एवं जयघोषों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जिले में 30 से अधिक कोटवारी भूमि विक्रय के प्रकरणों का निराकरण कर शासन के खाते में किया गया दर्ज

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामले आमजन के दैनिक जीवन से सीधे जुड़े होते हैं अतः सभी अधिकारी संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

- मसाहती ग्राम खैरवार के सर्वे को आगामी एक माह के भीतर पूर्ण करने के दिए गए निर्देश

बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से कोटवारी भूमि के हस्तांतरण एवं क्रय-विक्रय प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में दर्ज, निराकृत एवं लंबित प्रकरणों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। साथ ही यह परीक्षण भी सुनिश्चित करें कि किन प्रकरणों में एक बार तथा किन मामलों में एक से अधिक बार हस्तांतरण हुआ है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोटवारी भूमि से संबंधित सभी लंबित प्रकरण पूर्ण कर कोटवारी भूमि को शासन के खाते में दर्ज किया जाए। जिले में 30 से अधिक कोटवारी भूमि विक्रय के प्रकरणों का निराकरण कर शासन के खाते में दर्ज किया गया है। कलेक्टर श्री वसंत ने शेष प्रकरणों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बताया गया कि पूरे जिले में कुल 33 कोटवारी भूमि का निराकरण हो गया है एवं विक्रय हो चुकी कोटवारी भूमि को शासन के खाते में दर्ज कर लिया गया है। जिसमें तहसील अंबिकापुर में 16, लखनपुर में 7, उदयपुर में 1, लुण्ड्रा में 1, बतौली में 3, दरिमा में 5 प्रकरण शामिल है। कलेक्टर ने शेष प्रकरणों को जल्द निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने मसाहती ग्राम खैरवार के सर्वे को आगामी एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अवैध भूमि अतिक्रमण एवं कब्जे के प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विवादित एवं अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बटांकन, खाता विभाजन तथा भू-अर्जन प्रकरणों में अपेक्षित प्रगति लाने पर बल दिया विशेष रूप से विवादित एवं अविवादित बंटवारे के लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने नामांकन एवं सीमांकन के लंबित प्रकरण को समय सीमा के अंदर शत प्रतिशत निराकरण करने तथा राजस्व पखवाड़ा में प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली एवं समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि माई माह तक जाति प्रमाण पत्र शत प्रतिशत पूर्ण कर वितरण सुनिश्चित करें। प्राकृतिक आपदा सहायता प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि संबंधित पटवारी स्वयं स्थल निरीक्षण कर मौका-मुआयना करें, आवश्यक दस्तावेज पूर्ण कर शीघ्र जिला कार्यालय प्रेषित करें। वृक्ष कटाई से संबंधित प्रकरणों में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे कर शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने नक्शा बटांकन, अभिलेख शुद्धता, किसान किताब वितरण, आधार सीडिंग , डिजिटल हस्ताक्षर तथा वनाधिकार पट्टों के लंबित प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुविभाग में नियमित मॉनिटरिंग करने एवं प्रत्येक माह प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया परशुराम जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज. मनेन्द्रगढ़

आमाखेरवा रोड स्थित श्री दुर्गा धाम में ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विश्व कल्याण एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना के साथ सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद सुंदरकांड का सामूहिक पाठ किया गया। मंदिर परिसर में भक्ति भाव से गूंजते भजनों और मंत्रोच्चार ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए समाज में एकता, धर्म और संस्कारों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परशुराम केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि धर्म, न्याय और सत्य के प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि अन्याय के खिलाफ खड़े होना और धर्म की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। वक्ताओं ने समाज को संगठित रहने, शिक्षा और संस्कारों को बढ़ावा देने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। संध्या तिवारी, सरोज तिवारी, सुषमा त्रिपाठी, सरला दुबे, अंजू पांडे, किरण तिवारी, ज्योति मिश्रा, सुचि पांडे, अर्चना, अरूणा शुक्ला, रिंकी तिवारी, दीपा पांडे, निशा ओझा, उत्तरा तिवारी, सुनीता शुक्ला, ममता पांडे सहित समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं पुरुष वर्ग में जिलाध्यक्ष द्वारिका मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद तिवारी, संजय त्रिपाठी, अधिवक्ता प्रकाश शुक्ला, राजकुमार पांडे, नित्यानंद द्विवेदी, पुष्कर तिवारी, रामचरित द्विवेदी, डॉ. विनोद पाण्डेय, माधव त्रिपाठी अर्जुन पाठक, तिवारी, गौरव तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कार बाकी डेम में घुसी सवार एक ग्रामीण की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो कर बांकी डेम में जा घुसी जिससे कार डेम के पानी में डूब गई। वाहन सवार छह लोग किसी तरह बाहर निकल अपनी जान बचाई वहीं कार के गेट लॉक हो जाने एक ग्रामीण गंभीर हो गया। ग्रामीण को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमाइया पारा निवास करीमन राजवाड़े आ. स्व. चेगड़े (45 वर्ष) शनिवार को गांव के ही छोटू सिंह के कार क्रमांक सीजी 15 सीएल 0397 से गुड्डू, सुखलाल उरांव, मोहन राजवाड़े, राहुल राजवाड़े सहित साथ लोग घूमने के लिए बांकी डेम गए थे। जैसे ही वाहन सवार डेम से लगे कच्ची सड़क से जा रहे थे तभी चालक छोटू सिंह वाहन से नियंत्रण खो बैठा जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सीधे डेम में जा घुसी और पानी में डूब गई।

चालक सहित अन्य छह लोग किसी तरह पानी में डूबे कार से बाहर निकल की अपनी जान बचाई वहीं गेट लॉक हो जाने से करीमन वाहन में फंस गया। करीमन के बाहर नहीं निकलने पर उसके साथियों ने किसी तरह पानी में डूबे कार से उसे बाहर निकाला और उसे उसके घर लेकर चले गए। घर में करीमन का कपड़ा बदलने के बाद तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आज सुबह उपचार के दौरान करीमन की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

बच्चा चोर का आरोप लगाकर युवकों से मारपीट, बाइक को किया आग के हवाले

अम्बिकापुर। बहन के यहा शादी में शामिल होकर घर लौट रहे युवकों कोटगांव माझापारा में गांव के ही युवकों ने न सिर्फ बच्चा चोर का आरोप लगाया बल्कि मारपीट करन के बाद युवक की बाइक को आग के हवाले कर दिया। पीड़ित युवक ने घटना की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार बतौली थाना अंतर्गत ग्राम टेडगा सड़कपारा निवासी संतोष नागेश आ. सुधन नागेश (24 वर्ष) शनिवार को दोस्त नंदू नागेश के साथ बाइक क्रमांक सीजी 13 यूजी 5320 से शादी देखने ग्राम कोट पहाड़पारा निवासी बहन दमाद शोनू नागेश के घर गए थे। शादी देखने के बाद रात के लगभग 9 बजे बाइक से दोनों वापस घर जाने लगे। इसी बीच कोट गावं माझापारा स्थित बोर के पास पानी पीने के लिए रुके तभी वहां मौजूद अनिल व उसके तीन साथियों ने पूछताछ करना शुरू किया तो युवक ने बहन दामाद के शादी देखने आने की बात बताई। अनिल लकड़ा सहित उसके साथ मौजूद लोगों ने बच्चा चोर बोलकर मारपीट करना शुरू कर दिया। साथ ही रिश्तेदार को लेकर आने की बात कही। युवक बाइक को वहीं छोड़ बहन के यहां चला गया और बहन दामाद घटना की जानकारी दी। जब युवक अपने रिश्तेदार को लेकर मौके पर पहुंचा तो देखा उसकी बाइक को जला दिए थे। पीड़ित युवक ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 115(2), 351(2),326(घ), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है।